

प्रज्ञात समाचार

सच की आवाज, जनता के साथ

वर्ष:1 अंक: 14

सोमवार, 24 अगस्त से 30 अगस्त 2026

पृष्ठ:6

मूल्य: 2 रुपये

दिन में छाया अंधेरा... नोएडा-गाजियाबाद में तेज बारिश जनता को उमस भरी गर्मी से राहत

बारिश के कारण
तापमान गिरा, उमस
भरी गर्मी से मिली राहत।
दफ्तर जाने वाले लोगों को
हाईवे पर जाम का सामना

प्रज्ञात समाचार

नई दिल्ली/गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा और गाजियाबाद समेत कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। वहीं, आसमान में बिजली कड़कने के साथ काले बादल छा गए और दिन ही अंधेरा छा गया है।

दिन में ही छाया अंधेरा : आज सोमवार सुबह से ही बारिश का मौसम बना हुआ था और कई इलाकों में सुबह बूंदबांदी भी हुई। अभी कुछ ही देर पहले करीब 11 बजे नोएडा में तेज हवाओं के साथ आसमान में काले बादल छा गए, जिससे हाईवे पर वाहन चालकों को गाड़ी की लाइट जलाकर चलना पड़ा।

गर्मी से मिली राहत: दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे गर्मी के तेवर थोड़े कम पड़ गए। एक बार फिर से बारिश होने



दफ्तर जाने वाले लोगों को परेशानी:

उधर, दफ्तर जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है, क्योंकि बारिश के जलते हाईवे समेत अन्य मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई है। वहीं, कई इलाकों में फिर से जलभराव की स्थिति बन गई है।

से मौसम खुशनुमा हो गया है।

गुरुग्राम में भी तेज बारिश: गुरुग्राम के मानेसर क्षेत्र में सोमवार को करीब 40 मिनट तक जमकर वर्षा हुई। तेज वर्षा से मौसम सुहाना हो गया और उमस व गर्मी से लोगों

को राहत मिली। वहीं, गुरुग्राम शहर के अधिकांश हिस्सों में फिलहाल हल्की वर्षा या बूंदबांदी हुई। कुछ स्थानों पर तेज वर्षा भी दर्ज की गई। बारिश के कारण कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनने लगी और यातायात प्रभावित हुआ। गाजियाबाद में तेज बारिश होने से हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ऐसे में हाईवे समेत अन्य मार्गों पर जाम लगने की स्थिति बन सकती है।

वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक, आज दिल्ली-एनसीआर में दिनभर हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है। दिनभर आसमान में बादल छाए रहेंगे।

अमेरिका ने ईरान को दी आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी



प्रज्ञात समाचार

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा से पहले अमेरिका और ईरान के बीच तीखे बयानों का दौर जारी रहा। इन प्रतिबंधों का असर इस्लामिक रिपब्लिक और तेहरान के सबसे अहम व्यापारिक साझेदारों पर पड़ सकता है। इन साझेदारों में चीन भी शामिल है। इकोनॉमिक टाइम्स में छपे एक लेख में अमेरिकी ट्रेजरी सिक्रेटरी स्कॉट बसेंट ने चेतावनी दी कि ईरान के लिए आर्थिक डी-डे (निर्णायक दिन) आने वाला है और तेहरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को आगाह किया। हालांकि, उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी कि यह आर्थिक युद्ध किस तरह होगा। सोमवार को दोपहर 2 बजे होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस से एक दिन पहले उन्होंने लिखा, रसुबह होते ही एक आर्थिक डी-डे शुरू हो जाएगा।

अस्पताल के चाइल्ड यूनिट में आग:3 नवजातों की मौत



39 बच्चे भर्ती थे, वेंटिलेटर में धमाके के कारण हादसा

प्रज्ञात समाचार

नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के NICU में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। हादसे में 3 नवजातों की मौत हो गई। घटना अस्पताल की तीसरी मंजिल पर हुई, जहां आग के बाद धुआं फैल गया। उस समय NICU में 39 नवजात भर्ती थे। आग लगते ही डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, NICU के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग की चपेट में आने से इनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि बाकी 6 को इलाज के लिए

दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन 6 बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में NICU में लगे वेंटिलेटर के अंदर धमाके के बाद आग लगने की आशंका है। घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है।

मृत बच्चों के परिवारों को 75 लाख की मदद: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की हाईलेवल जांच के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने कहा कि लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के सचिव को आज ही अमरावती जाकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृत नवजातों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रु. की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

रायबरेली में गरजे सीएम योगी: बोले देश विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित करते हैं राहुल गांधी, उनसे कोई अपेक्षा नहीं

सीएम योगी
आदित्यनाथ रायबरेली
पहुंचे हैं। यहां उन्होंने जिले को
अरबों की सौगात दी। इसमें
करीब 300 करोड़ रुपये की
लागत वाली सड़क
परियोजनाएं शामिल हैं

प्रज्ञात समाचार

रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली पहुंचे। उन्होंने जिले को अरबों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जनसभा के माध्यम से सियासी संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री सुबह करीब 10.30 बजे हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे। इसके बाद अमोल विहार पहुंचकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राणा बेनी माधव बख्श सिंह के नाम पर करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया। साथ ही उनके नाम पर डाक टिकट जारी किया। स्मारिका का विमोचन किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन रायबरेली जिले के लिए ऐतिहासिक है। इसके बाद वह फ़िरोज गांधी कॉलेज में आयोजित जनसभा को संबोधित कर पहुंचे। यहां पहले उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें करीब 300 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क परियोजनाएं शामिल हैं।



राहुल गांधी से देश कोई अपेक्षा नहीं करता:

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों को भूलता है उसका कोई अस्तित्व नहीं होता है। आज कुछ लोगों ने भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है। उन्होंने राहुल गांधी पर बड़ा जुबानी हमला बोला है। कहा कि राहुल गांधी से देश कोई अपेक्षा नहीं करता। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते वह जवाबदेह हैं। राहुल गांधी भारत की विरासत को कोसते हैं। यूपी के बाहर जाकर यूपी को बदनाम करते हैं। देश के बाहर जाकर देश का अपमान करते हैं। वह देश विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित करते हैं।

संबोधित कर पहुंचे। यहां पहले उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें करीब 300 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क परियोजनाएं शामिल हैं।

सीएम ने आगे कहा कि भारत की सेना जब सीमा पर दुश्मनों से लड़ती है तो आप उससे जवाब मांगते हैं। अयोध्या में श्रीराम के अस्तित्व पर आपकी पार्टी सवाल खड़े करती है। 1975 में देश ने

आपकी पार्टी की काली साया को देखा है। जंतर मंतर में अभी एक बेटी ने पीएम मोदी पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। बाद में उस बेटी और उसके माता-पिता ने इस बात को स्वीकार किया कि उनकी बेटी

उत्तर प्रदेश के 19 जिलों में बाढ़,काशी में पुलिस चौकी डूबी

एमपी के 22 जिलों में रेड अलर्ट, छत्तीसगढ़ में महिला पर बिजली गिरी

प्रज्ञात समाचार

नई दिल्ली। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिलों में बाढ़ आ गई। 92 गांवों में फसलें खराब हुई हैं, जबकि 26 गांव टापू बन गए हैं। काशी में गंगा का पानी बढ़ने से दशाश्वमेध घाट की पुलिस चौकी डूब गई। प्रयागराज के दारागंज घाट का शमशान डूब गया, जिससे सड़कों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। ललितपुर में एक युवक की बाइक पुल पर पानी के तेज बहाव में बह गई।

मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में रविवार को भारी बारिश हुई। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदल जा रही एक महिला पर बिजली गिर



उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड

पौड़ी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बीरोंखाल ब्लॉक के मैठाणाघाट-वीन-रसियादेव रोड पर लैंडस्लाइड हुई। इससे सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। रोड पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है।

गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चे घोघा नदी में बह गए। बलरामपुर में भी कन्हर

नदी पार कर रहा युवक तेज बहाव में बह गया। उसकी तलाश जारी है। बिहार में बक्सर से भागलपुर तक गंगा उफान पर है।

सावन के अंतिम सोमवार को दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी भीड़



भक्तों ने किया जलाभिषेक, हर-हर महादेव से परिसर गुंजा

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सावन के अंतिम सोमवार को शहर के प्रमुख शिवालियों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। दूधेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। मंदिर परिसर 'ॐ नमः शिवाय' और 'हर-हर

महादेव' के जयकारों से गुंज उठा। भक्तों ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए शिवलिंग पर जल, बेलपत्र, दूध और शहद अर्पित कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह होते ही मंदिर में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। दिन चढ़ने के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भक्तों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई। दूर-दराज से आए श्रद्धालु सावन के अंतिम सोमवार पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कतारबद्ध खड़े दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे को लेकर विवाद कम नहीं है। सियासी उठापटक और पाला बदलने का माहौल बनने लगा है

प्रज्ञात समाचार

नई दिल्ली। चुनावी मुद्दों के गरमाने के साथ ही अब उत्तर प्रदेश में सीट शेयरिंग को लेकर एनडीए और विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के छोटे-बड़े दल एक दूसरे को उलझाने में लग गए हैं। समाजवादी पार्टी ने जहां छोटे दलों को ज्यादा सीटें देने को लेकर भाजपा पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की है, वहीं कांग्रेस खुद सपा से ज्यादा सीटें लेने के लिए माहौल बना रही है। प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। एनडीए की ओर से सुभासपा प्रमुख और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर पहले

से सपा पर तीखे प्रहार कर रहे हैं। अब केंद्र सरकार में मंत्री व राष्ट्रीय



लोकदल प्रमुख जयंत चौधरी ने भी सपा पर सहयोगी दलों को कमतर आंकने का आरोप जड़ दिया है। इसी विवाद में बसपा प्रमुख मायावती ने सपा के साथ पहले के दो गठबंधन को कटु अनुभव बताते हुए राष्ट्रीय लोकदल के बयान पर सहमति जताई है। दोनों गठबंधनों

एनडीए और इंडिया गठबंधन के छोटे-बड़े दल एक-दूसरे को उलझाने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी का एनडीए में टकराव बढ़ाने का दाव है। वहीं, बड़े ग्राफ से उत्साहित कांग्रेस इकतरफा बंटवारा नहीं चाहती है।

सपा पर तीखे प्रहार कर रहे हैं। अब केंद्र सरकार में मंत्री व राष्ट्रीय

सपा से ज्यादा सीटें लेने के लिए माहौल बना रही है। प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। एनडीए की ओर से सुभासपा प्रमुख और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर पहले

दल सपा और कांग्रेस अलग-अलग लड़े। सपा का गठबंधन रालोद व अन्य से था। सपा 111 सीटें जीतीं और तब रालोद सपा के गठबंधन में 33 में 8 सीट जीता। सुभासपा ने इसी गठबंधन में 19 में 6 पर जीत दर्ज की।

अपना दल कमेरावादी 6 में 1 सीट जीता। अब सुभासपा व रालोद भाजपा के साथ हैं जबकि अपना दल कमेरावादी सपा के साथ बना हुआ है और कांग्रेस सपा का 2024 के लोकसभा में बना गठबंधन फिर मिल कर लड़ने को तैयार है।

सपा का एनडीए में टकराव बढ़ाने का दाव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा को अपने साथी दलों सुभासपा, रालोद, निषाद पार्टी और अपना दल (एस) के लिए 162 सीटें छोड़नी पड़ेंगी। इस तरह उन्होंने इन दलों की महत्वाकांक्षाओं को हवा दी। इसके पीछे सपा की मंशा एनडीए व सहयोगियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की दिखती है, ताकि इसमें सीट वितरण को लेकर चल रही खींचतान आगे बढ़कर टकराव में बदल जाए। वहीं, इंडिया गठबंधन में कांग्रेस ने सीटों की भारी-भरकम मांग रखकर सपा नेतृत्व को परेशानो बढ़ा दी है।

80वें
स्वतंत्रता
दिवस
की सभी सुधि पाठकों
को हार्दिक
शुभकामनाएं

ने गलत बोला है। आप अर्बन नक्सलियों के हाथों देश को क्यों बेचना चाहते हैं।

कांग्रेस ने देश को लूटा: उन्होंने आगे कहा कि अमेठी और रायबरेली इस परिवार को ढोता तो रहा, लेकिन इन्होंने इन जिलों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। यहां सब कुछ एक ही परिवार के नाम पर कर दिया गया। 1925 में काकोरी से ब्रिटिशर्स द्वारा जो खजाना ले जाया जा रहा था, क्रांतिकारियों ने उसे अपने कब्जे में लिया था। कांग्रेस ने उसे काकोरी ट्रेन लूट घटना नाम दिया। अरे लूट तो आपने हैं देश को। देश को लूटकर उस धन को ठिकाने लगाने का काम आपने किया। सीएम ने कहा कि आपने भारत नहीं बनाया है, भारत का विभाजन आपने जरूर कराया। भारत के विभाजन और यहां के लोगों के कल्लेआम कराने का दोषी आपका परिवार है। वीर सावरकर दो 28 साल की उम्र में दोहरे आजन्म कारावास की सजा हुई। दोनों भाई एक ही सेल्युलर जेल में बंद रहे। 10 साल तक एक दूसरे का चेहरा तक नहीं देखा। जब अटल बिहारी बाजपेयी सरकार ने पोर्टब्लेयर के एयरपोर्ट का नाम वीर सावरकर के नाम पर किया तो कांग्रेस ने उनका नाम हटा दिया था।

एसआईटी की सख्ती के बाद गोपाल राव ने खोली थी जुबान

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी से एक और खुलासा हुआ है

प्रज्ञात समाचार

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी में एसआईटी की जांच और पूछताछ को लेकर कई अहम दावे दर्ज हैं। डायरी के अनुसार, एसआईटी ने पूछताछ के दौरान गोपाल राव से भी अलग से बातचीत की थी। इसमें दावा किया गया है कि प्रारंभ में गोपाल राव ने कुछ आनाकानी की, लेकिन कठोरता से व्यवहार किए जाने के बाद उन्होंने एसआईटी को कुछ जानकारी दी। हालांकि, गोपाल राव ने एसआईटी को आखिर क्या बताया, इसकी जानकारी चंपत राय को नहीं थी। डायरी में उन्होंने स्वयं लिखा कि क्या बताया, भगवान जाने। चंपत राय ने इस सूचना की



सत्यता पर भी सवाल छोड़ा है। उन्होंने डायरी में लिखा कि हो सकता है गोपाल राव के बारे में उन्हें दी गई सूचना गलत हो। यानी डायरी में दर्ज यह बात चंपत राय के प्रत्यक्ष अनुभव के बजाय उन्हें मिली सूचना के रूप में दर्ज है।

डायरी के मुताबिक, 16 जून से 16 जुलाई के बीच एसआईटी तीन बार अयोध्या आई। इससे पहले 15 जून को चंपत राय से अकेले में करीब चार-पांच घंटे बातचीत हुई थी। इसके बाद 16 जून से 16 जुलाई के बीच एसआईटी ने चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र से सामूहिक रूप से वार्ता की। एक वार्ता में गोपाल राव के भी मौजूद रहने का उल्लेख है।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन

मुरादनगर (आईटीएस डेंटल कॉलेज के पीरियडोनटोलॉजी विभाग द्वारा चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के छठवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक मॉड्यूल तीन दिनों का होता है, जिसमें 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वॉर्स चेयरमैन अर्पित वड्डा के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है।

संक्षिप्त

पहले दिन 30 स्कूलों के 486 बच्चों ने दिखाया हुनर



गाजियाबाद (प्रज्ञात समाचार)। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से आयोजित महान क्रांतिकारी बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को समर्पित 19वें प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह के पहले दिन गाजियाबाद के 30 स्कूलों के 486 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताएं नवीं, दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन वाद-विवाद स्पर्धा में 75, मेहदी स्पर्धा में 171, रंगोली स्पर्धा में 161, पुकल गान स्पर्धा में 27 एवं समूह गान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के नौ समूहों के 63 बच्चों ने भाग लिया। सुबह से ही बच्चों का मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में मेला लगना शुरू हो गया था। दैर शाम तीन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। ब्लैपआई हमारे पेशों और रोजमर्रा की जिन्दगी के लिए खतरा हैहू वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था। 75 बच्चों ने इसके पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क देकर अपनी बात को साबित करने का प्रयास किया। इसमें औरवेल स्कूल के छात्र आयुष्मान सिंह पहले, रामकिशन इस्टीट्यूट की छात्रा सान्नी मौर्य दूसरे एवं महाराजा अमरसेन पब्लिक स्कूल की छात्रा भव्या टाकुर तीसरे नंबर पर रहे। लक्ष्मी पब्लिक स्कूल की छात्रा इंदिका चेत्यमैन अवार्ड के लिए चुनी गईं। मेहदी प्रतियोगिता में सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा खुशनुमा प्रथम, जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल विजय नगर के चिराग द्वितीय एवं नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज साहिबाबाद शाखा की छात्रा खुशबू तृतीय रही। सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज राजेन्द्र नगर की छात्रा आशी और रामकिशन इस्टीट्यूट की कुलसुल को चेत्यमैन अवार्ड के लिए चुना गया। रंगोली प्रतियोगिता में पीएनएन स्कूल की दीपु पहले, इंटर दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा अदिति दूसरे और सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा तनिजा तीसरे स्थान पर रहे। सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की श्वेता और स्प्रिंग डेल्टा स्कूल की छात्रा खुशी को चेत्यमैन अवार्ड के लिए चुना गया। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने बताया कि निबन्ध, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह नृत्य और एकल व समूह गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन 22 अगस्त की सुबह नौ बजे से होगा। सभी विजेताओं को मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार मर्गदिया पुरस्कार वितरित करेंगे। पुरस्कार में नकद राशि, ट्रॉफी और सभी को प्रमाण पत्र दिए जायेंगे।

घर के बाहर खड़ी दरोगा की पत्नी से बदमाशों ने लूटी सोने की चेन

मोदीनगर (प्रज्ञात समाचार)। नगर की कृष्णाकुंज कॉलोनी में घर के बाहर बच्चे को लेकर खड़ी दरोगा की पत्नी के ससे बाइक सवार बदमाश सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। बदमाश कॉलोनी में लगे सीसीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। पुलिस बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है। नगर की कृष्णाकुंज कॉलोनी निवासी जगपाल सिंह युपी पुलिस में दरोगा पद पर तैनात है। इन दिनों उनकी तैनाती जिला बागपत में वत रही है। उनकी पत्नी शशिबाला युक्तावार दोपहर को वह अपने बच्चे को लेकर घर के बाहर ही खड़ी थी। इस बीच बाइक सवार दो युवक आए और झवर उभर घूमने लगे। मौका देखकर उन्होंने महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। महिला ने काफी दूर तक बदमाशों का पीछा भी किया,लेकिन वह हाथ नहीं आए। लूट की यह वारदात कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खगाली जा रही है। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इंटर की छात्रा नगदी व जेवरात लेकर हुई फरार

मोदीनगर (प्रज्ञात समाचार)। नगर की एक कॉलोनी से 17 वर्षीय इंटर की छात्रा घर में रखे 90 हजार रूपए व सोने के जेवरात लेकर सदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। नगर की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति की 17 वर्षीय पुत्री इंटर की छात्रा है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले वह घर में रखे 90 हजार रूपए की नगदी व 25 ग्राम सोना लेकर चली गई। काफी तलाश करने के बाद जब वह नहीं मिली तो परिजनों ने नितिन निवासी गांव देखरवा के खिलाफ अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू कर

चारा ला रहे किसान पर दबंग ने की तमंचे से फायरिंग

मोदीनगर (प्रज्ञात समाचार)। मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर पशुओं के लिए चारा ला रहे किसान पर दबंग ने तमंचे से फायरिंग कर दी। किसान ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। आरोपी पत्नी की हत्या करने के मामले में जमानत पर बाहर चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। कस्बा पतला निवासी अक्षय सिंधु मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर मुन्नी वाटिका के पास रहते हैं। वह पशु पालने का काम करते हैं। गुरुवार शाम को वह खेत से चारा ला रहे थे। रास्ते में तमंचा लेकर देव कुमार नामक युवक शराब पीकर खड़ा हुआ था। आरोपी ने पहले रास्ता रोका और फिर फायरिंग कर दी। अक्षय ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। लोगों को आता देखकर आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गया। अक्षय सिंधु का कहना है कि आरोपी अपनी पत्नी की हत्या के मामले में जमानत पर आया हुआ है। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर देव कुमार निवासी डिफेंस कॉलोनी मोदीनगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमों को लगाया गया है।

जहां से गुजरेगी रेलवे लाइन, वाह की जमीन के बेनामो पर रोक

गढ़मुक्तेश्वर(प्रज्ञात समाचार)। गाजियाबा मुरादाबाद, मुरादाबाद रोजा और रोजा-सीतापुर रुट के लिए तीसरी और चौथी रेलवे लाइन परियोजना को धरातल पर लाने के उद्देश्य से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। जिसमें गढ़ क्षेत्र के कई गांव की कृषि भूमि के बेनामों पर रोक लगा दी गई है, जिससे क्षेत्रीय किसान मुहम्मंगा मुआवजा मिलने को लेकर काफी गदगद नजर आ रहे हैं। रेलवे अमेंडमेंट एक्ट 2008 के धारा 20 ए के तहत भारत के राजपत्र गजट में अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र के कई गांवों की प्रस्तावित अधिग्रहण वाली भूमि पर बेनामो और अन्य प्रकार के भूमि हस्तांतरण पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी मिलते ही संबंधित गांवों के किसान और भूमिधरों में चर्चा का माहौल बना हुआ है, क्योंकि सरकारी नियमों के तहत जिस भूमिका अधिकार किया जाता है उसका मुआवजा सक्रिल रेंट से वार गुना अधिक मिलता है। जिन गांव से होकर रेलवे लाइन निकालनी है, उनके जंगल में सर्वे की प्रक्रिया काफी दिन पहले पूरी हो चुकी थी। इसके बाद अब भूमि अधिग्रहण को लेकर गजट का प्रकाशन भी कर दिया गया है। मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत गाजियाबाद से सीतापुर तक तीसरी और चौथी रेलवे लाइन बिछने का कार्य प्रस्तावित है।

डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल में भव्यता से हुआ इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन

मोदीनगर। डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल के डायमंड हॉल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2026 का आयोजन भव्य एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह का शुभारंभ मार्च पारट, बैंड प्रदर्शन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज पहनाकर उनके पद एवं दायित्वों की शपथ दिलाई गई। छात्र परिषद में कक्षा एक से पांच तक कनव को हेड बॉय और काश्ची को हेड गर्ल, कक्षा छह से आठ तक अदम्य पाठक को हेड बॉय और आरोही को हेड गर्ल तथा कक्षा नौ से 12 तक हर्षित को हेड बॉय और कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की दिव्या चंदेला को हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मुरादनगर में चोरों के लैसले बुलंद किसान के घर का ताला तोड़ लाखों का माल उड़ाया, गहने और नकदी ले गए



पूरा परिवार कमरे में सो रहा था। मुरादनगर थाना क्षेत्र के गांव भिवकनपुर निवासी किसान रवि शर्मा परिवार सहित रहते हैं। रवि

बसपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रोहतास जाटव का सुरेंद्र यादव के कार्यालय पर किया स्वागत



के बल पर अचानक कोई भी व्यक्ति आएगा और उसे टिकट दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा के 5 नंबर वार्ड से सबसे प्रबल दावेदारी सुरेंद्र यादव सुराना (चालाजी वाले) की है, जो पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। और सभी कार्यकर्ताओं से कहा है की पार्टी की बृथ कमेट्री बनकर गाँव गाँव जाकर सभी लोगों को पार्टी के साथ लोअर आने वाली मुख्यमन्त्री सुश्री बहन कुमारी मायावती को बनाए।

दिल्ली युनिवर्सिटी में हापुड़ निवासी आदेश त्यागी (असौड़ा वालों) को उत्कृष्ट देशभक्ति पदक से किया सम्मानित



हापुड़ (प्रज्ञात समाचार)। दिल्ली युनिवर्सिटी और राष्ट्रिय सैनिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में एक भारत श्रेष्ठ भारत के ऊपर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट देश भक्त नागरिकों और गौरव सेनानियों ने भाग लिया। इस अवसर पर हापुड़ निवासी आदेश त्यागी (असौड़ा वालें) सहित अन्य को उत्कृष्ट देशभक्ति पदक से सम्मानित किया गया। दिल्ली युनिवर्सिटी के प्रोफेसर के पी सिंह ने बताया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत का प्रारम्भ 2015 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था और तब से आज तक इसमें भारत के अलग अलग राज्यों को दो दो के गुुप में जोड़कर रीतिरिवाज , खान पान , नृत्य और टूरिज्म आदि में आदान प्रदान किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रिय एकीकरण एवं आपसी समन्वय को बढ़ाना है ।

ग्रामीण युवाओं और बच्चों को डिजिटल लाइब्रेरी में मिलेंगी जरूरी सुविधाएं

सीडीओ ने मकरेंड्रा में डिजिटल लाइब्रेरी और पंचायत घर का किया निरीक्षण, सीसीटीवी लगाने के निर्देश

गाजियाबाद (प्रज्ञात समाचार)। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासन की ओर से प्रयास तेज किए जा रहे हैं। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने विकारेखंड राजपुर की ग्राम पंचायत मकरेंड्रा में निर्मित डिजिटल लाइब्रेरी एवं पंचायत घर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाइब्रेरी की

व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों

और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा अध्ययनरत बच्चों को

व्यापारियों के दूसरे गुट का धरना भी समाप्त

गाजियाबाद। बड़े हुए हाउस टैक्स के विरोध में चल रहा व्यापारियों के दूसरे गुट का धरना भी समाप्त हो गया। व्यापारियों और नगर निगम के बीच सहमति बनाने में शहर विधायक संजीव शर्मा की अहम भूमिका रही। विधायक की पहल पर नगरासुक्त ने व्यापारियों की समस्याओं और मांगों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। अत्यधिक बढ़े हाउस टैक्स के विरोध में व्यापारियों की ओर से धरना प्रदर्शन के साथ पैदल मार्च भी किया जा रहा था। गोपीचंद प्रधान, अशोक चावला, राजदेव त्यागी, सुनील गोयल और विपिन गोयल के नेतृत्व में चल रहे धरने की जानकारी मिलने पर विधायक संजीव शर्मा ने मामले में हस्तक्षेप किया।

घंटाघर से भाटिया मोड़ तक बनेगा 2 किमी एलिवेटेड रोड

अर्बन चैलेंज फंड से परियोजना को मिली मंजूरी विधायक संजीव शर्मा ने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसद का जताया आभार

गाजियाबाद (प्रज्ञात समाचार)। शहरवासियों को जाम से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। घंटाघर से भाटिया मोड़ तक करीब दो किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के निर्माण का प्रस्ताव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की बोर्ड बैठक में अर्बन चैलेंज फंड के तहत मंजूर कर लिया गया है। परियोजना को मंजूरी मिलने पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और सांसद अतुल गर्ग का आभार जताया है।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की पहल सांसद अतुल गर्ग ने की थी। उन्होंने लगातार केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव भेजकर घंटाघर से भाटिया मोड़ तक एलिवेटेड रोड की आवश्यकता को प्रमुखता से रखा। उनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप परियोजना को मंजूरी मिल सकी है। विधायक ने बताया कि निर्माण कार्य करीब तीन माह में शुरू होने की उम्मीद है। विधायक ने कहा कि घंटाघर से भाटिया मोड़ तक बनने वाला एलिवेटेड रोड शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात साबित होगा। इसके बनने से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस से लाल

नोएडा एक्सप्रेसवे से सेक्टर-150 तक नए फ्लाईओवर का डिजाइन तैयार

नोएडा(प्रज्ञात समाचार)। प्राधिकरण ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-148 और सेक्टर-150 के बीच प्रस्तावित फ्लाईओवर का डिजाइन शुक्रवार को जारी कर दिया। परियोजना के निर्माण पर करीब 85 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एक्सप्रेसवे पर इस फ्लाईओवर के बनने से एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ बसे 15 से अधिक सेक्टर के लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यमुना पुर्नसे के पास बसे सेक्टर-150 को सीधे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड से जोड़ा जाएगा। इसके लिए फ्लाईओवर बनाया जाएगा। प्राधिकरण ने इसके लिए फ्लाईओवर का डिजाइन तैयार करा लिया है। अब डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होगी। अभी सेक्टर-150 की ओर आने-जाने के लिए सफ़ीपुर गांव के पास सेक्टर-148 के सामने एक्सप्रेसवे पर बने पुर्नसे अंडरपास का इस्तेमाल करना पड़ता है। बारिश में जलभराव होने पर लोगों को परेशानी होती है।

ग्राम नहल में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान को लेकर बैठक गांव-गांव संगठन मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने पर जोर



अंतिम व्यक्ति की आवाज को नेतृत्व तक पहुंचाना और बुथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस कार्यकर्ता आसिफ सैफी ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना होगा। संगठन सृजन अभियान के माध्यम से हर गांव और हर वर्ग

के लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, बुथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और क्षेत्र की जनसमस्याओं को मजबूती से उठाने पर जोर दिया गया। आसिफ सैफी ने कहा कि आने वाले समय में संगठन सृजन अभियान को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रत्येक

उन्होंने लाइब्रेरी में अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधनों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर भी जोर दिया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और लाइब्रेरी की सुविधाओं का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामीण प्रतिभागों को मिलेगा लाभ

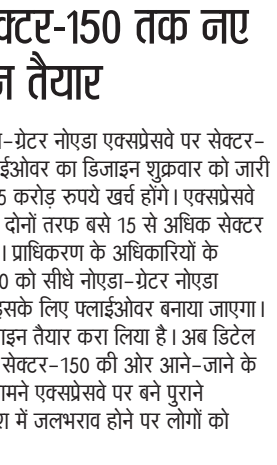
मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी युवाओं और बच्चों के लिए शिक्षा तथा



दादरी तक कनेक्टिविटी होगी आसान

विधायक ने कहा कि लाल कुआं से दादरी तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड का निर्माण पूरा होने के बाद गाजियाबाद से दादरी, खुर्जा, बुलंदशहर और नोएडा की ओर जाने वाला यातायात अधिक सुगम और व्यवस्थित हो सकेगा। इन परियोजनाओं से शहर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और सुगम यातायात व्यवस्था से गाजियाबाद के विकास को नई दिशा मिलेगी तथा व्यापारियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

कुआं तक यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इस मार्ग पर लगातार बने रहने वाले यातायात दबाव और जाम की समस्या में कमी आएगी। इससे शहरवासियों के समय का बचत होने के साथ व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा लाल कुआं से दादरी तक एलिवेटेड रोड की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। वहीं घंटाघर से भाटिया मोड़ तक एलिवेटेड रोड और आगे लाल कुआं तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य



गांव में कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा। इस मौके पर वरिष्ठ नेता इकरार सैफी, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सलीम सैफी, महानगर कोषाध्यक्ष त्रिलोक सिंह, हुमायूं मिर्जा, यश कौशिक, मेहता जी, आशीष प्रेमी, विजेंद्र जाटव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर माध्यम बन सकती हैं। ऐसी सुविधाओं से ग्रामीण प्रतिभागों को अपने गांव में ही अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन डिजिटल लाइब्रेरी का अधिक से अधिक लाभ विद्यार्थियों और युवाओं तक पहुंचना चाहिए। प्रशासन का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करए जाएं, ताकि वे बेहतर अवसरों का लाभ उठा सकें।

मुरादनगर में सात वर्षीय बालक को मकान में ले जाकर हाथ-पैर बाँधकर कुकर्‍म करने का आरोप



विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट की, पुलिस कर रही जांच

प्रज्ञात समाचार

मुरादनगर। थानाक्षेत्र के एक गांव में एक सात वर्षीय बालक के साथ कथित कुकर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित बालक के परिजन ने आरोप लगाया है कि पड़ोसी व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर बंद पड़े मकान में ले जाकर हाथ-पैर बाँधकर कुकर्म किया और विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट की।

घर पर देर तक न लौटने पर परिजन खोजबीन करने लगे थे। घायल और दहशत में बालक किसी तरह अपने घर पहुंचा और परिवार

को पूरी आपबीती बताई। इसके बाद परिजन बच्चे के बयान के आधार पर मुरादनगर थाने में तहरीर लेकर पहुंचे। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित बालक को तुरंत मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया गया है और चिकित्सकीय रिपोर्ट के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी और गांव वालों के बयानों का भी संकलन शुरू कर दिया है। एसीपी का कहना है कि बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों में सख्ती से कदम उठाए जाते हैं और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने हेतु जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। मामला संवेदनशील है, इसलिए पुलिस ने जांच की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेन्द्र सिंह का मोदीनगर में जोरदार स्वागत



प्रज्ञात समाचार

मोदीनगर। नवनियुक्त भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेन्द्र सिंह का रविवार को राज चौपाल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नीरज त्यागी के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें बुके, शॉल और फगड़ी पहनकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष चौधरी देवेन्द्र सिंह का काफिला जैसे ही राज चौपाल पहुंचा, वहां पहले से मौजूद सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा के नारों के साथ उनका स्वागत किया। दर्जनों वाहनों के काफिले के साथ पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत से पूरा वातावरण उत्साह और जोश से भर गया। कार्यकर्ताओं ने भारत माता की

जय और भाजपा के समर्थन में जमकर नारे लगाए। जिलाध्यक्ष नीरज त्यागी ने प्रदेश अध्यक्ष को मिठाई खिलाकर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में किसान मोर्चा को और मजबूती मिलेगी तथा संगठन को गांव-गांव तक सक्रिय रूप से पहुंचाने का काम किया जाएगा।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. मंजु सिवाच, निवाड़ी चेयरमैन अनिल त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, कार्यक्रम संयोजक एवं जिला मंत्री संजय त्यागी, मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी, अरुण त्यागी, प्रदीप बोस, साधना शर्मा, गीता कौशिक सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं किसान मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में प्रदेश अध्यक्ष के प्रति खासा उत्साह नजर आया।

साई बाबा की मूर्ति खंडित होने से रोष

प्रज्ञात समाचार

मोदीनगर। गांव बेगमाबाद स्थित धार्मिक सिल परिसर में लगी साई बाबा की मूर्ति को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। लोगों ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने पर हंगामा किया। गांव बेगमाबाद स्थित धार्मिक स्थल परिसर में शिरडी साई बाबा की मूर्ति लगी हुई है। बताया जा रहा है कि तीन दिन से साई बाबा की मूर्ति को खंडित किया जा रहा है। शनिवार रात को मूर्ति को पूरी तरह से तोड़ दिया गया। रविवार सुबह जब श्रद्धालु पूजा करने पहुंचे तो इसकी जानकारी हुई। शिरडी साई बाबा समिति के प्रबंधक सुधीर मिश्र ने बताया ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है और मूर्ति खंडित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन का भव्य आयोजन

10 लाख के बीमा का एलान

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा जानकी भवन, कविनगर रामलीला मैदान, गाजियाबाद में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण कैनन कंपनी द्वारा आयोजित कार्यशाला व विश्व विख्यात सिनेमैटिक और कैडिड फोटोग्राफी के मास्टर श्री सनी शर्मा ने फोटोग्राफरों को अपनी कार्यशैली, आधुनिक तकनीक और क्रिएटिव



विजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनके प्रेरणादायक वक्तव्य से उपस्थित सभी फोटोग्राफर साथी लाभान्वित हुए। अर्पित एल्बम वालों ने भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मेरठ, साहिबाबाद,

गाजियाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों फोटोग्राफर भाई एकत्रित हुए। कार्यक्रम का मंच संतलान कुंजन शर्मा द्वारा आकर्षक रूप से किया गया जिससे अंत तक सभी फोटोग्राफर भाइयों में उत्साह बना रहा है। कार्यक्रम में

आसपास

ऑपरेशन लँगड़ा अभियान प्रगति पर !

ओटो लिफ्टर गैंग से पुलिस की मुठभेड़, सिहानीगेट और स्वाट टीम नगर की मुठभेड़



सिहानीगेट पुलिस द्वारा मुठभेड़ के दौरान टप्पेबाजी की घटनाएं करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस, खोका कारतूस, दो कान के टॉप्स एवं वारदात में प्रयोग की जाने वाला टेम्पो बरामद किया गया है। आगे बताया कि स्वाट टीम, नगर जोन एवं थाना सिहानीगेट पुलिस द्वारा महिन्द्रा

तिराहा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि 15 अगस्त से पहले बस अड्डे से ऑटो में एक महिला से बहला फुसलाकर कारों के कुण्डल उतरवा कर ले जाने वाले चार बदमाश ऑटो से लोहियानगर की ओर आने वाले हैं तथा उनके पास अवैध हथियार भी हो सकते हैं। सूचना पर पुलिस द्वारा



लोहियानगर रोड पर चैंकिंग करते हुए घेराबंदी की गयी। पुलिस को देखकर ऑटो सवार चारों व्यक्ति भागने लगे, जिनका पीछा करने पर ऑटो हमदर्द ग्राउण्ड में फंस गया। जिसके बाद सभी बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गये तथा दो बदमाश अंधेरा होने के कारण

मुरादनगर क्षेत्र में बढ़ती चोरी की वारदातों से किसानों का पुलिस के खिलाफ गुस्सा फूटा गुस्सा

प्रज्ञात समाचार

मुरादनगर। रावली पुलिस चौकी क्षेत्र में पिछले दो महीने से लगातार बदमाश चोरी की घटनाओं को बेखोफ होकर अंजाम दे रहे हैं। जिसका किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ रहा है। आठ बार अलग-अलग चोरी की घटनाओं में लगभग 50 से लेकर 60 ट्रेलरो के तार,स्टार चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। रावली गांव से दो चोरी की अलग-अलग वारदातों में एक बार विद्युत लाइन चोरी कर ली गई है और एक बार पूरे के पूरे ट्रांसफार्मर को ही विद्युत लाइन से चोरी कर ले गए हैं। चोरों के हौसले इस कारण भी बुलंद है क्योंकि रावली चौकी क्षेत्र में पूर्व में हुई चोरियों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। जैसे सुराना गांव की चोरी रेवड़ी गांव की चोरी भीग गांव से भैंस की चोरी स्कूल से एलसीडी की चोरी आदि घटना न खुलने की



वजह से चोरों के हौसले बुलंद है। निरंतर क्षेत्र में वह इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। रावली चौकी पर गस्त की स्थिति अत्यंत दयनीय है।

पुलिस चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है इसके विपरीत छोटे-मोटे लड़ाई झगड़ा या अन्य क्षेत्र में छोटी-मोटी घटनाओं में पूरा हस्तक्षेप कर अपना व्यक्तिगत हित साधने में लगी हुई है जिला

पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विकास यादव ने क्षेत्रवासियों के साथ थाना दिवस अधिकारी से मिलकर मांग की है कि यदि 10 दिन के अंदर-अंदर इन चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं होता है तो सभी क्षेत्रवासी मिलकर डीसीपी ऑफिस पर धरना प्रदर्शन कर घेरने का काम करेंगे। क्योंकि पुलिस लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है।

सरिया माफियाओं पर कड़ा प्रहार, चार शातिर सरिया चोर गिरफ्तार

गाजियाबाद (प्रज्ञात समाचार)। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के आदेश पर चलाए जा रहे हैं अभियान के अंतर्गत क्राइम ब्रांच और कविनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सरिया चोरी करने वाले गिरोह का पदाफांश किया गया है। जिनके के कब्जे से लाखों रुपए कीमत का सरिया और एक ट्रक भी बरामद किया गया। इस मामले में एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच व थाना कविनगर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही द्वारा कम्यूटीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट की मदद से सरिया चोरी करने वाले गिरोह के चार सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से सरिया को ढोने में उपयोग में लाये जा रहे ट्रक व चोरी किया हुआ सरिया बजन 41780 किलोग्राम बरामद किया गया है। एसीपी ने आगे बताया कि 23अगस्त 2026 को मुखबिर की सूचना पर कम्यूटीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट की मदद से सरिया चोरी करने में चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। बदमाशों के कब्जे से लाखों कीमत का चोरी का सरिया, एक ट्रक को बरामद किया गया। पृष्ठताछ पर बदमाशों ने पुलिस को बताया कि यह सरिया नेथली बागपत में उतरना था। हम चोरी से यही गोदाम में उतार रहे थे। यह सरिया हम राजकुमार उर्फ राजू निवासी बुलन्दशहर, लोकेश शर्मा उर्फ दिवाकर निवासी शास्त्रीनगर तथा आफताब निवासी डासन के कहने पर उद्योग कुंज धर्म कांटा के बराबर में बगे गोदाम में उतारते हैं। गाड़ी से माल उतारने के बाद राजकुमार उर्फ राजू, आफताब व दिवाकर द्वारा यहां पर एक अन्य गाड़ी भेज दी जाती है। जिसमें हम उतारे गए माल को लोड करके दे देते है। जो माल राजकुमार, आफताब व लोकेश उर्फ दिवाकर अपने टिकानों पर उतरवा देते हैं।

हरित भविष्य की ओर संत निरंकारी मिशन का जन आंदोलन

वनवेस वन-प्रकृति के साथ समरसता

बागपत (प्रज्ञात समाचार)। बाबा हरदेव सिंह का दिल्य संदेश प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनो ही हानिकारक है। केवल पर्यावरण संरक्षण का आह्वान नहीं बल्कि मानवीय चेतना को निर्मल और प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाने का प्रेरणास्रोत है। इसी प्रेरणा को साकार रूप देते हुए संत निरंकारी मिशन अपनी पर्यावरण संरक्षण की पहल वनसे वन-प्रकृति के साथ समरसता के माध्यम से हरित, संतुलित एवं सतत भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।



संतुष्ट माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से अमरस्त 2021 में प्रारम्भ हुई यह अनूठी पहल आज देशव्यापी जन आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। इसका उद्देश्य केवल वृक्षारोपण करना नहीं बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध को पुनर्जीवित करना, पर्यावरण संरक्षण को जीवन-मूल्य के रूप में स्थापित

विभिन्न राज्यों मे अब तक लगभग 350 वृक्ष समूह स्थापित किए जा चुके है। जबकि 600 से अधिक वनसे वन स्थले पर श्रद्धालु एवं सेवादार पूर्ण समर्पण के साथ इन वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन कर रहे हैं। यह अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज मे प्रकृति के प्रति जागरूकता, संवेदन शीलता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व तथा

सामूहिक सहभागिता की संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है। इसी सतत प्रयास को आगे बढ़ाते हुए संत निरंकारी वैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 23 अगस्त रविवार को इस महाअभियान के छठे चरण का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान देशभर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित 630 स्थानो पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मिशन के लाखो श्रद्धालु एवं स्वयं सेवक समर्पित भाव से सहभागिता निभाते हुए लगभग 10 लाख पौधो का रोपण करेंगे। यह व्यापक अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अभियान की विशेषता यह है कि मिशन केवल पौधे लगाने तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखता बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक निरंतर संरक्षण देने का संकल्प भी निभाता है।

सामूहिक सहभागिता की संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है। इसी सतत प्रयास को आगे बढ़ाते हुए संत निरंकारी वैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 23 अगस्त रविवार को इस महाअभियान के छठे चरण का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान देशभर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित 630 स्थानो पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मिशन के लाखो श्रद्धालु एवं स्वयं सेवक समर्पित भाव से सहभागिता निभाते हुए लगभग 10 लाख पौधो का रोपण करेंगे। यह व्यापक अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अभियान की विशेषता यह है कि मिशन केवल पौधे लगाने तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखता बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक निरंतर संरक्षण देने का संकल्प भी निभाता है।



समारोह का रंगारंग समापन

गाजियाबाद(प्रज्ञात समाचार)। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में 'प्रतिभा-2026' नाम से क्रांतिकारी बाल गंगाधर तिलक व चंद्रशेखर आजाद को समर्पित 19वें प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह में दिल्ली-पनसीआर के 33 स्कूलों के कुल 721 विद्यार्थियों ने धूम मचा दी। अंतिम दिन प्रतिभाशाली बच्चों ने अपनी नृत्य शैली से दर्शकों का मन मोह लिया। इस मौके पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिखा ने बताया कि प्रतिभा-2026 समारोह में इस बार दिल्ली-पनसीआर के 33 स्कूलों के 721 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। विगत 19 सालों में कुल 35,492 विद्यार्थियों को मेवाड़ अपनी प्रतिभा उजागर करने के लिए एक सप्ताह मंच प्रदान कर चुका है। प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह में कुल 9 प्रतियोगिताएं हुईं। उनका यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य दिल्ली-पनसीआर के स्कूलों में छिपी हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान कर उनको देश और समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ना है। इनमें देशभक्ति व समाज के प्रति संवेदनशीलता का भाव पैदा करना होगा। तभी देश विकास व सुश्रहाल होगा। इससे पूर्व डॉ. गदिखा एवं निवेदिता शर्मा को शौल और पौधे देकर सम्मानित किया गया। अंतिम दिन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य प्रतियोगिता का विषय ह्मआज के युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव ड़खा गया था। जबकि नृत्य प्रतियोगिताओं के विषय ह्मद्वेषातिह्व एवं ह्मभक्तिह्व रखे गए। अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को नकद राशि, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया।

कांग्रेस कार्यकर्ता आज से ही 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटें : अशोक तंवर



मोदीनगर(प्रज्ञात समाचार)। सनातन शिव मंदिर के निकट बस स्टैंड स्थित सभागार में शनिवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोविंदपुरी एवं मोदीनगर के तत्वावधान में कांग्रेस संगठन सुजन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुटने का आह्वान किया। डॉ. तंवर ने कहा कि कांग्रेस का संगठन सुजन अभियान अंतिम चरण में है। संगठन में जहां भी कमियां हैं, उन्हें ठुंहर किया जा रहा है। ऊर्जावान और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित अवसर दिया जाएगा। पूर्व पदाधिकारियों की भी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला और शहर अध्यक्षों की नियुक्ति क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और लोगों से विचार-विमर्श के बाद की जाएगी। विधानसभा चुनाव में भी जनता के बीच मजबूत साख रखने वाले व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने पर विचार किया जाएगा। पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा ने गाजियाबाद जिलाध्यक्ष पद के लिए आवेदन कर अपनी दावेदारी पेश की। सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं ने हाथ उठाकर ध्वनिमत से उनकी दावेदारी का समर्थन किया। कार्यक्रम के आयोजक वांदेवीर चौधरी ने भी मोदीनगर शहर अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया। उन्होंने कहा कि संगठन में ही शक्ति है और मजबूत संगठन के बूते ही चुनावी सफलता हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन ने भी शहर अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा सौंपे गए कार्यक्रमों और जनसमस्याओं को लगातार उठाया है और आगे भी पार्टी जो जिम्मेदारी देगी, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। मोदीनगर शहर अध्यक्ष पद के लिए कल्पना सिंह, संदीप त्यागी और राकेश सोनी ने भी डॉ. अशोक तंवर को आवेदन देकर दावेदारी पेश की। इस दौरान बीबीता चौधरी, ममता, रजनीशर्मा, मनी, कोमल जाटव, महावीर भड़ाना, ओमकार प्रधान, हरिदत्त कसाना, मनीष शर्मा, जाकिर, सरफराज, विशाल कौशिक, अनस सैफी, आरिफ रिजवी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत रविदास महाराज की कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब



निवाड़ी(प्रज्ञात समाचार)। नगर पंचायत निवाड़ी में शनिवार को संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज की कलश यात्रा एवं जनसभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और कस्बे के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर संत रविदास महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कलश यात्रा के दौरान कस्बे का माहौल भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजु शिवाच मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इसके अलावा भाजपा के जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण त्यागी, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी और जिला उपाध्यक्ष अमित चौधरी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास महाराज के जीवन, उनके विचारों और समाज में समानता एवं भाईचारे के संदेश को याद किया गया। कलश यात्रा में श्रद्धालु धार्मिक जयघोष करते हुए आगे बढ़े। यात्रा के दौरान लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। आयोजन स्थल पर पहुंचने के बाद जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने संत रविदास महाराज के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक अमित तिसावर, देवराज शर्मा और प्रवीण गोस्वामी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत के कार्यदाय विकास त्यागी और जगदीश समेत कस्बे के अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।विधायक डॉ. मंजु शिवाच ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज को समानता, प्रेम, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और नई दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने लोगों से संत रविदास महाराज के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा मजबूत करने के साथ युवा पीढ़ी को महापुरुषों के विचारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मेवाड़ में 19वें प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार



सामाजिक न्याय की असली परीक्षा!

न ई दिग्गज स्थित ऐतिहासिक धरना-प्रदर्शन स्थल "जंतर-मंतर" (लोहे के कलब के बादर) पर 21 अगस्त 2026 को हुआ 'आरक्षण हटाओ' आंदोलन वास्तव में आरक्षण सुधार मुहिम बनकर रह गया हालांकि इसके सामाजिक मिजाज और जनहितकारी तैयारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति के लिए महज एक और धरना नहीं है, बल्कि यह उस असंतोष की राजनीतिक अभिव्यक्ति है जो सरकारी नीतियों, प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में अवसरों को लेकर सामान्य वर्ग के एक प्रतिभाशाली हिस्से, खासकर जेन-जी युवाओं में दिखाई दे रहा है। इसलिफे जंतर-मंतर की सियासी झाड़फूंक पर गौर फरमाना आवश्यक है, क्योंकि संविधान, राजनीति और सामाजिक न्याय की असली परीक्षा यहीं से शुरू होती है जो कब खत्म होगी, शायद नेताओं को भी नहीं पता, क्योंकि दो नावों की समर्थन करने में वे माहिर जो होते हैं। कहना न होगा कि जिस तरह से आपस को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पहुंचे और अनुमित मिलने के बावजूद 22 अगस्त को भी प्रदर्शन जारी रहा और दिल्ली पुलिस द्वारा 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने की रिपोर्ट सामने आई, उसने केर संसार और पुलिस प्रशासन की पक्षपाती भूमिका का भी पर्दाफाश कर दिया। इससे सामान्य वर्ग के आन्दोलनकारियों, जो मोदी सरकार के प्रबल समर्थक लोगों में शुमार किये जाते हैं, को यूजोसी मुहिम के बाद आरक्षण सुधार मुहिम के रूप में दूसरा बड़ा धक्का लगा। वस्तुतः प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग थी कि सरकारी सहायता और आरक्षण का आधार जाति के बजाय आर्थिक वंचना को अधिक महत्व दे लेकिन यहीं से असली बरस शुरू होती है, वह यह कि- पहला यह कि, जब अपनी सरकार से आरक्षण पर सवाल पूछना अपराध नहीं है तो फिर दिल्ली पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पर अनुमित क्यों नहीं दी? फिर शांतिपूर्ण लोगों पर बल प्रयोग और गिरफ्तारी क्यों की गई? इस जनप्रदर्शन का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आरक्षण पर असहमति को अपने-आप सामाजिक न्याय-विरोधी मानने के बजाय इसे सार्वजनिक नीति की बहस के रूप में देखने की गुंजाइश दिखाई देती है। यह distinction महत्वपूर्ण है। जैसे आरक्षण को आलोचना करना और वंचित वर्गों के अधिकारों का विरोध करना एक ही बात नहीं है। उसी तरह, आरक्षण का समर्थन करना और आरक्षण व्यवस्था के हर वर्तमान प्राधान्य को सही मानना भी एक ही बात नहीं है। यही वह बीच का क्षेत्र है जहां गंभीर पत्रकारिता और नीति-विमर्शपूर्ण होना चाहिए। यद्यपि जंतर-मंतर के आंदोलनों और पत्रकारों से जुड़े घटनाक्रम पर अलग से कतिपय कार्यक्रम भी सामने आया है। इससे उनका व्यापक दृष्टिकोण समझने में मदद मिलती है कि ये आंदोलन को केवल तत्काल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे के सामाजिक और आर्थिक संरचना के रूप में देखते हैं। आंदोलनकारियों का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है: अगर गरीबी सही जातियों में मौजूद है, तो आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति की मदद केवल उसकी जाति देकर क्यों तय हो? यह सवाल भावनात्मक होना के साथ-साथ नीतिगत भी है। प्रदर्शन में मेरिट, आर्थिक आधार और आरक्षण नीति पर श्वेत पत्र (White Paper) की मांग उठी। यह मांग सरकारी को अहज कर सकती है क्योंकि इससे बरस सीधे आंकेड़ पर आ जाएगी: आरक्षण का वास्तविक लाभ किसे मिला? किन परिवारों को पढ़ियों से लाभ मिल रहा है? कौन से समुदाय अभी भी प्रतिनिधित्व से बाहर हैं? आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के युवाओं के लिए पयान्त अवसरों की पहलू है या नहीं? सरकारी नौकरियां इतनी हैं भी या नहीं कि आरक्षण की पूरी बरस समाज को केवल कोरे के प्रश्न तक सीमित किया जा सके? इसलिए White Paper की मांग को केवल आरक्षण-विरोधी नारा मानकर खारिज करना उचित नहीं होगा। तीसरा यह कि, लेकिन आंदोलन की सबसे बड़ी वैचारिक कमजोरी भी यहीं है। सिर्फ गरीबी सामाजिक पिछड़ेपन का पूरा मापदंड नहीं है। किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बतल सकती है, लेकिन सामाजिक पहचान और उससे जुड़े भेदभाव के अनुभव हमेशा उसी गति से नहीं बदलते। यही आरक्षण समर्थक पक्ष की मूल दलील है। इसलिए यदि आंदोलन यह मान ले कि गरीबी = पिछड़ापन तो उसका तर्क अधूरा रह जाएगा। भारत में आरक्षण केवल गरीबी हटाने की योजना नहीं है, बल्कि इसका संबंध सामाजिक प्रतिनिधित्व और ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों को संस्थागत अवसर देने से भी है। इसीलिए आर्थिक सहायता और आरक्षण को पूरी तरह समानार्थी मानना संवैधानिक और सामाजिक दोनों दृष्टि से समस्या पैदा करता है। चौथा यह कि, चिरग पासवान जैसे की प्रतिक्रिया क्यों महत्वपूर्ण है? गत 22 अगस्त को चिरग पासवान ने आरक्षण को खारत नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि यह किसी आंदोलन के कहने मात्र से समाप्त नहीं हो सकता। राजनीतिक दृष्टि से यह प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि एक और सामान्य वर्ग के युवाओं में असंतोष बढ़ता है, तो दूसरी ओर SC/ST/OBC राजनीतिक समूहों के लिए आरक्षण केवल सरकारी नीति नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व और सामाजिक सुरक्षा का प्रश्न है। इसलिए कोई भी राष्ट्रीय दल सीधे तौर पर एक थूँस चुनकर दूसरे को खेने का जोखिम नहीं उठा सकता। यही वह है कि भाजपा सहित सभी दलों के सामने आने वाला सत्यम में कठिन सामाजिक-संतुलन की चुनौती होगी जबकि वास्तविकता यह है कि इसी आरक्षण की आड़ में कतिपय दलित/आदिवासी परिवार फल फूल रहे हैं। आरक्षण और हीरंग के वंचित लोगों की हकमारी कर रहे हैं। चूंकि संसद और सुप्रीम कोर्ट अब तक इनकष में हैं, इसलिए ये वास्तविक दलितों/आदिवासियों को फलने फूलने के मौके नहीं दिए और इसके लिए मनुवादियों यांनी सामान्य वर्ग के लोगों को जिम्मेदार ठहराकर अपना सियासी हित साधते हैं। मौजूदा आंदोलन से यह स्थिति भी बदलेगी। पांचवां यह कि, ब्रजेश पाठक का हस्तक्षेप भी राजनीतिक संकेत है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

जो-जो अपने देश का, खुद करते अपमान देख रहा है ध्यान से, पूरा हिंदुस्तान पूरा हिंदुस्तान, थोप नक्सली समस्या बांट रहे हैं ज्ञान, कर रहे चोर तपस्या कह सुरेश कश्मीर समस्या पर जबाब दो चिंचियाते हैं वंश, वाद के वंशज हैं जो

राष्ट्रीय एकता और
सांस्कृतिक एकरूपता
एक नहीं हैं। दुनिया
के अनेक देशों में
अलग-अलग भाषाओं
और संस्कृतियों
वाले समुदाय अपनी
विशिष्ट पहचान
बनाए रखते हुए एक
राष्ट्र का हिस्सा हैं।
मजबूत राष्ट्र वह नहीं
जो अपनी विविधता
मिट्टा दे, बल्कि वह है
जो विविधता के भीतर
एकता कायम करे।

कि सी समाज की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं बनती। भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपरा और सामूहिक स्मृतियाँ भी उसके अस्तित्व का आधार होती हैं। इसलिए जब राजनीतिक सत्ता और संस्कृतिक पहचान के बीच टकराव बढ़ता है, तो विवाद केवल भूगोल का नहीं रह जाता। वह मनुष्य के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है।

तिब्बत आज इसी संघर्ष के बीच खड़ा है। 20 अगस्त 2026 को सभ्यशाला में काशाग और निवासित तिब्बती संरक्षकों ने लोबागा राडचन की मृत्यु के 49वें दिन प्रार्थना सभा और शांति पद्मयात्रा आयोजित की। 2 सप्ताह के 2 जुलाई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने अतिवाद किया था। कार्यक्रम में सिक्योग पेनपा त्सेरिंग ने काशाग का वक्तव्य प्रस्तुत किया। पद्मयात्रा में चीन की तिब्बत नीति और 1 जुलाई से लागू हुए 'जातीय एकता और प्रगति कानून' के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया। पेनपा त्सेरिंग ने राडचन की मृत्यु को तिब्बती प्रश्न की गंभीरता से जोड़ते हुए पद्धतियों की भाषा, संस्कृति, धर्म और पहचान पर बढ़ते दबाव की चिंता व्यक्त की।

लोकैन इस पूरे प्रसंग का सबसे संवेदनशील पक्ष आत्मदाह है। किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए जीवन समर्पण करना समाज नहीं हो सकता। यह पहले एक मानवीय त्रासदी है। सवाल यह है कि कौन विजित ऐसी निराशा की स्थिति में क्यों पहुँचता है, जहाँ उसे अपना आवाज सुनने के लिए अपने जीवनों की कीमत चुकानी पड़ती है। यहाँ तिब्बत का मूल प्रश्न सामना आता है—क्या राष्ट्रीय एकता के लिए संस्कृतिक एकस्यता समाज है? चीन नए कानून को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक स्थिरता और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच सहयोग की व्यवस्था के रूप में देखता है। तिब्बती नेतृत्व की चिंता इसके विपरीत है। उसका कहना है कि इससे तिब्बती भाषा, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। इस मतभेद को भावनाओं के बजाय तथ्य और स्वतंत्र जांच के आधार पर समझना जरूरी है। राष्ट्रीय एकता और संस्कृतिक एकरूपता एक नहीं है। दुनिया के

अनेक देशों में अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों वाले समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाकर रखते हुए एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। मजबूत राष्ट्र वह नहीं जो अपनी विविधता मिटा दे, बल्कि वह है जो विविधता के भीतर एकता कायम करे। तिब्बती नेतृत्व का दावा है कि बड़ो संख्या में तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जहां उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक वातावरण से दूरी बढ़ रही है। शिक्षा में चीनी भाषा को बढ़ती प्राथमिकता मिलने को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन भाषा के महत्व को समझने के लिए किसी राजनीतिक पक्ष की पुष्टि की जरूरत नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास, साहित्य, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित रहता है। किसी समुदाय की मातृभाषा यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में लगातार कमजोर होती है, तो उसके साथ सांस्कृतिक स्मृति भी कमजोर पड़ सकती है। तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्राशन भी इसी से जुड़ा है। तिब्बत में धर्म निजी अरथ से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार है। मठ, धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक परंपरा तिब्बती पहचान से जुड़ी हैं। तिब्बती नेतृत्व लंबे समय से धार्मिक संस्थाओं और धार्मिक नेतृत्व में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाता रहा है। धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल पूजा करने की अनुमति नहीं है। इसमें धार्मिक संस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को

पुरुषित रखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। इसलिए विभवतः हमें धार्मिक स्वतंत्रता का मूल्यवान् केवल धार्मिक स्थलों की मौजूदगी से नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक निरंतरता से भी होना चाहिए। हालांकि इस विषय में सावधानी जरूरी। विभिन्न निवासन प्रणाली के आरोपों को अंतितः सत्य मानना उचित नहीं होगा, जैसे चीनी सरकार का दावा को बिना जाँच स्वीकार करना भी उचित नहीं है। विभवतः जैसे संवेदनशील प्रश्न में स्वतंत्रता तथा-जाँच समसे महत्वपूर्ण है। विभवतः का सीमा केवल भाषा, धर्म और राजनीति तक सीमित नहीं है। उसका पर्यावरणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभवतः पदार्पण का अनेक प्रमुख नदियों का उद्गम क्षेत्र है। वह बांध, खनन और बड़े बुनियादी ढांचे का पर्यायजनाओं का असर विभवतः से बाहर तक कर सकता है। भारत सहित कई देशों की जल और पर्यावरण सुरक्षा हिमालयी परिस्थितिकी से जुड़ी है। भारत के लिए विभवतः इसलिए केवल दूर का भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं है। सीमा सुरक्षा, जल संसाधन, हिमालयी पर्यावरण और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध इसे सीधे भारतीय हितों से जोड़ते हैं। यही बात विभवतः समर्थक चारों ओर संगठनों से जुड़े सुपुंन्द्र कुमार भारती से भी दिखाई देती है। वे भारत और विभवतः के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों के रेखांकित करते हुए विभवतः के प्रश्न को भारत की सुरक्षा से अलग करके देखने के पक्ष में नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहा है कि भारत ने

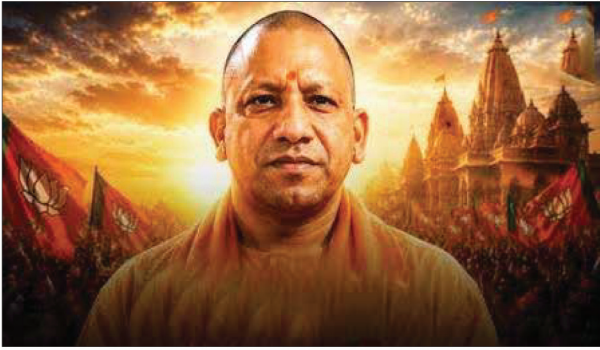
तिब्बत के बारे में जन-जागरूकता बढ़नी चाहिए। और तिब्बत के प्रश्न को केवल कवि विदेशी नौतिक का विषय मानने के बजाय भारत के दीर्घकालिक हितों से जोड़कर समझना चाहिए। सुरेन्द्र कुमार ने भारत और तिब्बत के पुराने संबंधों की ओर ध्यान दिलाने एहो यह भी कहा है कि दोनों के बीच कभी एक सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण समाधि जहां आवागमन के लिए आज जैसी औपचारिक बाधाएं नहीं थीं। उनके विचार में तिब्बत का स्वातंत्र्य भारत की सांस्कृतिक विरासत, हिमालय-वर्ती संधि और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इस दृष्टिकोण को केवल राजनीतिक समर्थन के रूप में नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक चिंता के संदर्भ में देखना चाहिए। तिब्बत में होने वाले राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलावों का असर हिमालय और भारत की सीमाओं तक पहुंच सकता है। भारत ने लंबे समय से दलाई लामा और तिब्बती शरणार्थियों को मानवीय आधार पर आश्रय दिया है। बौद्ध धर्म ने भारत और तिब्बत के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध बनाए हैं लेकिन चीन के साथ भारत के संबंधों की अपर्याप्त जटिलताएं हैं। इसलिए भारत की नीति में मानवीय संवेदना और कूटनीतिक विवेक दोनों जरूरी हैं। भारत तिब्बतियों के भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का समर्थन कर सकता है, लेकिन हर मुद्दे को चीन के साथ एकराव में बदलना जरूरी नहीं। स्वाद के रास्ते खुले रखने हुए मान्यधिकार और सांस्कृतिक अधिकारों की चिंता व्यक्त करना अतिव्यवहारिक रास्ता नहीं हो सकता है। आत्मदाह की घटनाएं इस पूरे संकट का सबसे दर्दनाक पहलू हैं। केंद्रीय बिबिसी प्रशासन ने 2009 से तिब्बत के भीतर बर्बर संख्या में आत्मदाह की घटनाओं का उल्लेख नहीं किया है। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक नहीं है लेकिन आंकड़ों की राजनीतिक व्याख्या से अलग भी देखें तो ऐसी घटनाओं की पुरावापूर्वक गहरे असंतोष और निराशा की ओर संकेत करत हैं। पेनपा स्टीरिंग के वक्तव्यों की एक हलचलपूर्ण विशेषता यह है कि तिब्बती नेतृत्व आत्मदाह के राजनीतिक संघर्ष का स्थायी रास्ता नहीं बताता

● साभार

उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ को फ्री हैंड

भा जपा का संगठनात्मक बदलाव काफी देरी से हुआ है, लेकिन यह 'देर आए दुरस्त आए' जैसा है। जेन-जी के सफल आंदोलनों ने सरकार और संगठन दोनों को परेशान किया, बिनाक बाद पीएम मोदी ने वीडियो जारी कर नई पीढ़ी को संबोधित किया। नई टीम में 65 में से 51 एन चेहरे लाकर संतान को ऊँचावन बनाये की कोशिश की गई है। इसके साथ ही, अनुभव विनाद तावड़े और सुनील बंसल को बरकरार रखा गया है। सोशल मीडिया टीम में बदलाव कर आक्रामक चेहरों को लाया गया है। इस पूरी नई टीम में संघ का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है लेकिन इस दौरान जो सबसे स्पष्ट संकेत मिले हैं उससे लगता है कि अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार चुनाव में पूरी पावर मिलने का रही है। वह न केवल मुख्यमंत्री के रूप में सरकार का चेहरा होगा बल्कि उनकी बनायी रणनीति पर ही आजका अमल करणी। जबकि केशव मोयों को डिप्टी सीएम पद से हटाकर केंद्र में मंत्री बनाने और असीम अग्रवाल को डिप्टी सीएम बनाने की कवायद भी तेज चल रही है।

जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनावों में प्रेमी हार से खक लेते हुए उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने एक अहम फैसला लिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'फ्री हैंड' दे दिया है। 26x7 विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति बनाने की जिम्मेदारी शीर्ष अब योगी के हाथों में होगी। सुर्जो के हवाले से मीडिया



है। पोर्टों में इसका दावा किया जा रहा है। लोकसभा, विधानसभा राज्यसभा चुनाव के लिए अब तक कायम भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उम्मीदवारों के नाम पर आखिरकार एक फैसला लेता था। हालांकि, एनडीए के सहयोगी दलों अपना दलीय (एस) आरएलडी, निषाद पार्टी (एस) और सुभाषपा के साथ सीटों के बंटवारा का फैसला करीब 47 सालों के भी करेगा। सुओं के अनुसार उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए प्रदेश प्रभारी उच्च विनोद तावड़े के सीएम योगी से अच्छे संबंध माने जाते हैं। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ने नेहरू तालमेल के लिए ही उन्हें यूपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सीएम योगी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक लिस्ट सौंपी थी। इस लिस्ट में 24 से ज्यादा सांसदों के टिकट काटकर नए उम्मीदवारों के टिकट देने की बात कही गई थी। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व ने इसे मानने से इनकार कर दिया था। भाजपा ने 64 में से 47 सांसदों को दोबारा उम्मीदवार बनाया, लेकिन 47 में से 26 सांसद चुनाव हार हासिल। उत्तर प्रदेश में भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। जिसका

तीजी जाय हुआ कि केंद्र में पार्टी के को अपने दम पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पार्टी के एक बड़े झूठे नैतिक पर रणधीर सवाल उठाए थे और पार्टी पर योगी की सलाह न मानने पर विरोध भी जताया था।

सूत्रों के अनुसार, बीजेपी टिकट बंटवारे के लिए इस बार को कमेट्री का गठन करेगी। इसमें उम्मीदवारों के नाम पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मापाल सिंह, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार, महेंद्र कुशवा और दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक अपनी राय रखेंगे। हालांकि, आखिरी फैसला मुख्यमंत्री योगी ही लेंगे। मुख्यमंत्री योगी विधान परिषद की शिक्षक-स्नातक क्षेत्र की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव की जिम्मेदारी भी खुद संभाल रहे होंगे। इनमें से खिन छह सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होनी है, वहां सीएम ने सख्त मानदंड रखा है। सीएम योगी ने स्पष्ट कर दिया है कि जिस दल दावेदार ने जितने ज्यादा वोट बनवाए हैं, टिकट का हकदार वहीं होगा। विशेष तौर पर वाराणसी क्षेत्र (स्नातक व शिक्षक) और

प्रयागराज-झांसी सीट पर मुख्यमंत्री का फोकस है। इन सीटों पर फिलहाल समाजवादी पार्टी का कब्जा है। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र से जुड़ी वाराणसी की दोनों सीटों को सीएम योगी हर हाल में सपा से छीनना चाहते हैं। बीजेपी की शुरुआती इंटर्नल सर्वे रिपोर्ट में पार्टी को 190 से 205 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है।

हालिया राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए पार्टी को डर है कि अगर ज्यादा विधायकों के टिकट एक साथ काटे गए तो वे सपा, कांग्रेस या बसपा में जा सकते हैं जिससे पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है। इस भावना को रोकने के लिए भावा पार्टी ने सीट बदलने की रणनीति बनाई है। सूत्रों के मुताबिक, जिन विधायकों के लिखित उपाका सिपासी नुकसान ज्यादा हो सकता है, उन्हें किस अन्य सुरक्षित सीटों से चुनाव लड़ाया जा सकता है जबकि कमजोर और गैर-भाषावाशाली विधायकों के टिकट काटे जायेंगे सिर्फ इतना ही नहीं, इस बार यूपी से एक और बड़ा परिवर्तन हो सकता है। आने वाले दिनों में यूपी के डिप्टी सीएम केशव माथौ को यहां से हटाकर केंद्र में मंत्री पद दिया जा सकता है और उनकी जगह असीम अरुण को उनकी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। तत्काल पिछड़ों के चेहरे के रूप में केशव माथौ को तरजीह देकर उनका कद बढ़ाया जा सके जबकि वोटों को साध कर असीम अरुण को उपमुख्यमंत्री बनाया जा रहा है।

● साभार

सुरंगों से तबाह हो रहा जल चक्र

उ ताराखंड के चमोली जिले में स्थित 520 मीटरावली विष्णुगढ़ा-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना को टेलर स्वनल में हुए भीषण हादसे ने एक बार फिर अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में बिना सोचे-समझे किए जा रहे भूगर्भीय खनन और सुरंग निर्माण की भयावह कौमत्त को उजागर कर दिया है। मौसलाधार मानसूनी बारिश के कारण सुरंग मार्ग के ऊपर का अस्थिर पहाड़ी ढलान पूरी तरह से संतुल्य हो गया, जिससे भूमि के भीतर एक विशालकाय जल-गुहा (वाटर केविटी) का निर्माण हो गया। बिना किसी चेतावनी के अचानक चट्टान का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे अत्यधिक दबाव वाले पानी, कीचड़ और भारी मलबे का एक विस्फेकोवी सैलाब भूमिगत सुरंग में चीरता हुआ घुस आया। इस जलप्रलय ने 22 श्रमिकों को भीतर ही फंसा दिया, जिनमें से 10 की मृत्यु हो गई। इस हादसे में जादित बचे मजदूरों ने इस तबाही का वर्णन एक खौफनाक भूगर्भीय बौद्ध के रूप में किया, जिसमें अचानक बांध टूटने की तरह पानी और संपीड़ित हवा पूरी सुरंग में प्रचंड वेग से बहने लगी। यह दुःखद घटना केवल एक अकेली इंजीनियरिंग चुक नहीं थी। इसके विपरीत, यह संपूर्ण हिमालयी फोल्ड-एंड-थ्रस्ट बेल्ट में जलविद्युत और परिवहन सुरंग परियोजनाओं के दौरान भूमिगत जलभूतों (एक्सिफ्लूव्स) के टूटने के एक चिंतनाजनक और प्रणालीगत पैटर्न को दर्शाती है। भारतीय हिमालय, जिसे अक्सर ग्रह का “तीसरा ध्रुव” कहा जाता है, अपने भीतर मोठे पानी का एक विशाल भंडार समेटे हुए है। दिखाऊ देने वाले ग्लेशियरों, बर्फ की चारों ओर सतह की बर्फ से परे, पहाड़ों के गर्भ में गहरा एक व्यापक और आपस में जुड़ा हुआ जलतंत्र गवाहित होता है। चूँकि हिमालय भारतीय और यूरोपियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच जारी भीषण टक्कर से बने नए मोड़दार (यंग फोल्ड) पर्वत हैं, इसलिए इनकी भूगर्भीय परतें अत्यधिक कटी-पटी, खंडित और दरारें से भरी हुई हैं। मेन स्ट्रेल ग्रस्ट, मेन बाउंड्री ग्रस्ट और नॉर्थ अल्मोड़ा ग्रस्ट जैसे प्रमुख टेक्टोनिक जोन इस पूरी क्षेत्र को काटते हैं। महासाब्बिजों से मौसमी बर्फ का पिघलाना और बारिश का पानी इन भूगर्भीय दरारों, फोल्ट लाइनों और सिस्क्लाइनल चट्टानी गौं में गहराई तक समाता रहा है, जिससे समुद्र तल से हजारों मीटर की ऊँचाई पर उच्च दबाव वाले भूमिगत जलभूतों का निर्माण हुआ है। सामान्य परिस्थितियों में, यह भूमिगत जल चक्र एक नाजुक और गत्यात्मक संतुलन बनाए रखता है। खंडित चट्टानों के छिद्रों में फंसा पानी बाहर की ओर एक हाइड्रोस्टैटिक दबाव (पैर-वाटर प्रेशर) डालता है, जो ऊपर स्थित विशालकाय पहाड़ों के वजन को सहारा देने के लिए आवश्यक संरचनात्मक शक्ति प्रदान करता है। इसके साथ ही, ये दबाव युक्त भूमिगत जलशाय प्रकृतिक गुरुत्वाकर्षण चैनलों के माध्यम से पानी को लगातार छोड़कर सतह के पारिस्थितिक तंत्र को पोषित करते हैं। यही जल स्रोत पारंपरिक पेयजल स्रोतों—जैसे प्रकृतिक नौलों और थारों—को जीवित रखते हैं, और गैर-मानसुनी शुष्क महीनों में हिमाचली नदियों के मुख्य प्रवाहों को बनाए रखते हैं। हालाँकि, जब इंजीनियर टनल बोरिंग मशीन या भारी ड्रिल-एंड-ब्लास्ट विधियों का उपयोग करके इन जलविद्युत भूगर्भीय क्षेत्रों के माध्यम से कई किलोमीटर लंबी सुरंगों को खोदते हैं, तो वे इन प्राचीन जलभूतों को बेतहासा

● साधार

दंग से छिन्न-भिन्न कर देते हैं।

● साभार

आज का कार्टून

डॉक्टर साहब,
मैं तो मीठा खाता ही नहीं हूँ,
फिर मेरी शुगर क्यों बढ गई

तुमने शुगर का भाव
सुन लिया होगा

साभार

 श इस समय राजनीतिक उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर परीक्षाओं में कथित धांधली और अनिष्पत्तिताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-जंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया। भर्ती परीक्षाओं को लेकर ऑल्लेन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा और अनेक परीक्षाएँ रद्द करनी पड़ीं और कई अन्य परीक्षाओं की जॉच का अविश्व हुआ। इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गाँधी, नंद्रे

मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है जैसे राजनीति में संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है। यहाँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विचारों के लिए खरों के पीछे चेंदनी है। राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाइ को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। लेकिन सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकण्डा बनाया। वंदे मातरम के मुद्दे पर अमित शाह ने कांग्रेस पर बहद तीखा हमला किया और उसके निर्णय को राजविरोधी तथा तुष्टीकरण की राजनीति से जोड़ दिया। यहाँ से



असली चिन्ता पैदा होती है।
 बेशक, विश्वभर का काम सरकार से
 सवाल पूछना है, लेकिन हर खयाल
 को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी
 स्मर्यस्थ पद्धति नहीं है। और सत्ता का
 काम जवाब देना है, लेकिन आलोचकक
 को पृष्ठविरोधी मान लेना भी आलोचकक
 की सहेत के लिए ठीक नहीं। राहुल
 गांधी जितने आक्रामक होंगे, भाजपा
 उतने ही तीखे पण्टन करेगी। मोदी
 और शाह की राजनीतिक शैली भी
 अपने विश्वविधियों को राजनीतिक रूप
 से घेरने में काम की पीछे नहीं रही है।
 परिणाम यह है कि बहस और अवसर

इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन-कौन सी कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी जनता कर सकता है। लेकिन जनता पृष्ठ रही है—इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया? क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान न्याय वसूला गया? क्या परीक्षा में लीक या भ्रमी में अनियमितता को आरोपों का स्थायी समाधान हुआ? रोजगार महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे केन्द्र, राजनीतिक प्रार्थमिकताओं के केन्द्र में हैं? यही वे

सवाल है कि जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है कि सिन्धेदह वदे मातरम् फिखी दल कं जगिर्गर् नहीं है। एवं भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गौरवपूर्ण स्मृति है। उसका सम्मान हर भारतीय के लिए स्वाभाविक होना चाहिए। लेकिन राष्ट्रगीत को राजनीतिक तलवा बनाकर विश्व को राष्ट्रविरोधी और सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद का अकेल ठेकेदार घोषित करना दोनों ही खतरनाक प्रवृत्तियाँ हैं। राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र संसद में बहस के दौरान नहीं बाँटा जाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अंतिम पैमाना यह नहीं हो सकता कि किसे किनकी जोर से नास लगाया। देशभक्ति को निरस राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र का आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर विश्व को भी यह समझना होगा कि सिर्फ सरकार के विरोध में आक्रामक होना पर्याप्त नहीं है।

● साभार

राजनैतिक द्वेष की आग में देश न जलाएं

सवाल है कि जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देता है कि सिन्धेदह वदे मातरम् फिखी दल कं जगिर्गो नही है। एवं भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गौरवपूर्ण स्मृति है। उसका सम्मान हर भारतीय के लिए स्वाभाविक होना चाहिए। लेकिन राष्ट्रगीत को राजनीतिक तलवा बनाकर विश्व को राष्ट्रविरोधी और सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद का अकेल ठेकेदार घोषित करना दोनों ही खतरनाक प्रवृत्तियाँ हैं। राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र संसद में बहस के दौरान नहीं बाँटा जाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अंतिम पैमाना यह नहीं हो सकता कि किसे किनकी जोर से नास लगाया। देशभक्ति को निराश्रित राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र का आवश्यकता नहीं है। दूसरी ओर विश्व को भी यह समझना होगा कि सिर्फ सरकार के विरोध में आक्रामक होना पर्याप्त नहीं है।

जब गौहर खान की खूबसूरती बनी कैरियर की रुकावट



बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में अपनी बेबाक अदाकारी, शानदार डांस मूव्स और दमदार पहचान बनाने वाली अभिनेत्री गौहर खान 23 अगस्त को अपना जन्मदिन मना रही हैं। मॉडल के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली गौहर ने साल 2009 में आई फिल्म 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया था। इसके बाद 'इश्कजादे' और 'बिग बॉस 7' की ट्रॉफी जीतकर उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की। अवसर चर्चा में रहने वाली गौहर खान के जीवन से जुड़ा एक ऐसा दिलचस्प किस्सा भी है, जो फिल्म इंडस्ट्री के कड़वे सच और कार्टिंग प्रोसेस के अनोखे पहलू को उजागर करता है। क्या आप जानते हैं कि ऑस्कर विजेता हॉलीवुड फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' के लिए गौहर पहली पसंद बन सकती थीं, लेकिन उनकी 'खूबसूरती' ही उनके लिए सबसे बड़ी रुकावट बन गई? फिल्म कैपैनियन को दिए एक इंटरव्यू के दौरान गौहर खान ने अपने करियर के सबसे बड़े रिजेक्शन का खुलासा किया था। गौहर ने बताया था कि उन्होंने हॉलीवुड डायरेक्टर डैनी बॉयल की इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए एक या दो नहीं, बल्कि पूरे पांच राउंड के कड़े ऑडिशन दिए थे।

माता-पिता के साथ समय नहीं बिताने का है अफसोस : मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी का फिल्म निर्माता महेश भट्ट के साथ उनकी बातचीत का पुराना वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर फिर चर्चा में है। इसमें मनोज बाजपेयी ने अपने जीवन के संघर्ष और माता-पिता से दूर रहने को लेकर एक बार भावुक अनुभव साझा किया था। अभिनेता ने चर्चा में बताया था कि अभिनय में करियर बनाने और अपने सपने को पूरा करने की कोशिश में उन्होंने अपने माता-पिता के साथ पर्याप्त समय नहीं बिताया, जिसका उन्हें आज भी अफसोस है। मनोज बाजपेयी ने बातचीत के दौरान कहा था कि उनके जीवन में सबसे बड़ा त्याग माता-पिता, खासकर अपनी मां का साथ छोड़ना रहा। उन्होंने बताया कि करीब 20 वर्षों के दौरान वह अपने माता-पिता के साथ कभी लगातार 10 दिन से ज्यादा समय

नहीं बिता सके। अभिनेता के मुताबिक, सपने को पूरा करने की दौड़ में परिवार से दूर होना उनके मन में एक ऐसा पछतावा छोड़ गया, जिसे वह आज भी महसूस करते हैं। उन्होंने अपने पहले पुरस्कार से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। मनोज ने बताया कि जब उन्होंने अपने माता-पिता को पहला पुरस्कार लेने के मौके पर बुलाया था, तब वे केवल दो दिन के लिए उनके पास आए थे। उस दौरान उनकी मां ने उन्हें एक ऐसी बात कही, जिसे अभिनेता आज भी याद करते हैं। उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति सफल नहीं हो पाया, वह जरूरी नहीं कि मुर्ख हो।



विवेक ओबेरॉय

सुरेश ओबेरॉय ने बताया कैसे हुआ विवेक ओबेरॉय का डेब्यू

उन्होंने 2002 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'कंपनी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने गैंगस्टर चंद्रकांत उर्फ "चंदू" नागरे का रोल निभाया था, जिसके लिए उन्हें काफी तारीफ मिली थी। इस बीच अभिनेता के पिता और दिग्गज एक्टर सुरेश

ओबेरॉय ने उस मेहनत के बारे में बात की जो विवेक को उनका पहला बड़ा मौका दिलाने में लगी थी। दिग्गज अभिनेता ने निधि वंसदानी के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए बताया कि कैसे वह विवेक की तस्वीरें लेकर फिल्ममेकर्स के पास जाते थे और उन्हें एक मौका देने के लिए लोगों से बात करते थे। ये कुछ बैसा ही था, जैसे उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों में खुद के लिए किया

था। सुरेश ओबेरॉय कहते हैं कि विवेक का फिल्म में आने का मतलब था एक बार फिर संघर्ष, लेकिन इस बार अपने बेटे के लिए। सुरेश ओबेरॉय ने बेटे विवेक के डेब्यू के बारे में बात करते हुए कहा- 'मुझे उसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा, मैं उसके लिए फिल्ममेकर्स के घर जाता था। ठीक वैसे ही, जैसे मैं अपनी तस्वीरें लेकर जाता था।'



2027 में सिनेमाघरों में खूब धमाल होने वाला है। कई बड़ी फिल्मों पर महीनों से तैयारी हो रही है। जिसमें से एक है- एसाएएस राजामौली की 'वाराणसी'। फिल्म का पहले ही 80 परसेंट काम कंप्लीट हो गया है। साथ ही महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन अपने-अपने हिस्से का काम पूरा कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर ऐसी चर्चा है कि 1200-1300 करोड़ रुपये के बजट से इसे बनाया गया है। हालांकि, राजामौली पहले ही बता चुके हैं कि जैसे-जैसे फिल्म का काम हो रहा है, वो उसे एडिट करने के लिए दे देते हैं। पर अब फिल्म को लेकर एक और जबरदस्त अपडेट आ गया है।

अमेरिका में अपनी बांसुरी की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे पंडित रोनु मजूमदार

भारत के प्रतिष्ठित शास्त्रीय बांसुरी वादक एवं पद्मश्री से सम्मानित पंडित रोनु मजूमदार, जो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक भी हैं, संगीत के क्षेत्र में अपने गौरवशाली 50 वर्षों के सफर का जश्र मनाते हुए 5 सितंबर से अमेरिका के ऐतिहासिक संगीत दौरे पर रवाना होंगे। आवर्तन तबला एंड म्यूजिक अकादमी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित दौरे के तहत पंडित रोनु मजूमदार फीनिक्स, सैन फ्रांसिस्को, डलास, ह्यूस्टन, न्यूयॉर्क सहित अमेरिका के कई प्रमुख शहरों में अपनी बांसुरी की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की शाश्वत सुंदरता का अनुभव मिलेगा।



दौरे का विशेष आकर्षण लॉस एंजेलिस स्वामीनारायण मंदिर में आयोजित फंडरेजर कॉन्सर्ट होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से एक नए सामाजिक उद्देश्य के लिए सहयोग जुटाया जाएगा, जो संगीत की संवेदनशीलता, करुणा और समाज को एकजुट करने की शक्ति को दर्शाता है। इस पूरे दौरे में पंडित रोनु मजूमदार के साथ प्रसिद्ध तबला वादक पंडित हर्षद कानेटकर भी प्रस्तुति देंगे। उनकी उत्कृष्ट कला और लयकारी दर्शकों के लिए इस संगीत यात्रा को और भी यादगार बनाएगी।

दौरे के बारे में पद्मश्री पंडित रोनु मजूमदार ने कहा, "संगीत के क्षेत्र में 50 वर्ष पूरे करना मेरे लिए केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि मेरे गुरुओं, परिवार, साथी कलाकारों और दुनिया भर के असंख्य संगीत प्रेमियों का आशीर्वाद है। यह अमेरिकी दौरा मेरी इसी खूबसूरत यात्रा का उत्सव है। मैं अमेरिका के दर्शकों के साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत की आध्यात्मिक और भावनात्मक गहराई साझा करने के लिए उत्साहित हूँ।"

उन्होंने आगे कहा, "लॉस एंजेलिस स्वामीनारायण मंदिर में होने वाला फंडरेजर कॉन्सर्ट मेरे लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से संगीत एक बड़े सामाजिक उद्देश्य में योगदान देगा। पंडित हर्षद कानेटकर जैसे प्रतिभाशाली कलाकार के साथ मंच साझा करना मेरे लिए हमेशा आनंददायक रहा है।"

रवि तेजा की हालिया रिलीज, 'इरुमुडी' बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुकी है और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त शुरुआत की है। 21 अगस्त को रिलीज हुई इस फ़िल्म ने पहले ही दिन 15 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया और दूसरे दिन ही इसने रफ्तार पकड़ ली। शिवा निर्वाण के निदेशन में बनी 'इरुमुडी' एक इमोशनल एक्शन-ड्रामा है, जो अपनी इमोशनल कहानी और रवि तेजा की एक्टिंग से दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में कामयाब रही। कड़ी टक्कर के बावजूद, इस तेलुगु फिल्म ने भारत में दो दिनों के अंदर ही 30 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।



अभिनेत्री अमृता बागची हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में रखाइन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, इस किरदार के व्यक्तित्व और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक नज़रिए और स्ववाइन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को केवल पति-पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि दोस्ती और बराबरी पर आधारित संबंध के तौर पर दिखाया गया है। अमृता ने बताया कि इस रिश्ते को पर्दे पर विश्वसनीय बनाने के लिए उन्होंने कई स्तरों पर तैयारी की।

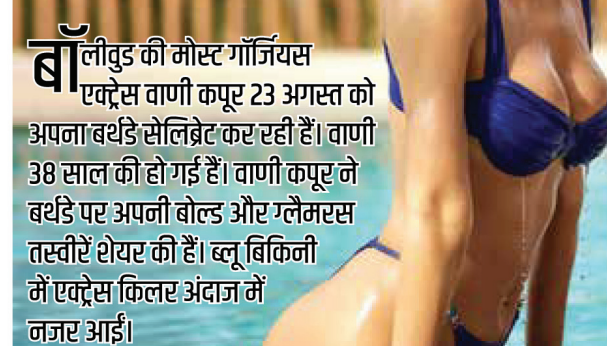


ट्रेड ट्रैकर Sacnilk के अनुसार, 'इरुमुडी' ने भारत में पहले दिन 15.30 करोड़ (नेट) की शानदार ओपनिंग की और दूसरे दिन फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई। शनिवार को रवि तेजा की फिल्म ने 2,943 शो के साथ 16.10 करोड़ कमाए। इसके साथ ही, भारत में इसकी कुल कमाई 31.40 करोड़ हो गई है। दूसरे दिन, 'इरुमुडी' की तेलुगु ऑक्जुपेंसी सबसे ज्यादा 78.54% रही। फिल्म की सबसे ज्यादा ऑक्जुपेंसी नाइट शो में 88.31% रही, इसके बाद शाम के शो में 82.85%, दोपहर के शो में 80% और सुबह के शो में 63% ऑक्जुपेंसी दर्ज की गई। दुनिया भर में हुई कमाई की बात

करते तो 'इरुमुडी' ब तक 47.45 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। इस फिल्म में रवि तेजा के साथ प्रिया भवानी शंकर, स्वासिका विजय, साईकुमार पुदिपेदी और अजय घोष अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को नवीन यरनेनी और वाई रवि शंकर ने टी-सीरीज फ़िल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। हालांकि, आने वाले वीकेंड पर रवि तेजा की 'इरुमुडी' सहित तमाम फिल्मों के लिए के बड़ी चुनौती बड़े पर्दे पर दस्तक दे रही है। ये चुनौती है कन्नड़ सुपरस्टार यश की 'यॉक्सिक', जो 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यश की 'यॉक्सिक' ने एडवांस बुकिंग में ही सभी भाषाओं में 4 लाख से ज्यादा टिकट्स बिक चुकी हैं।

अलका आहूजा का किरदार निभाकर प्रभावित हुई अमृता बागची अमृता ने एक बातचीत में अपने किरदार और इसकी तैयारी से जुड़ी कई बातें साझा कीं। अमृता ने बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व में उन्हें एक ऐसी महिला दिखाई दी, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती और सहजता बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि अलका में बहादुरी के साथ-साथ सकारात्मकता और सहजता थी है। मुश्किल परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद उनके भीतर कड़वाहट नहीं आई और उन्होंने अपना भरोसा बनाए रखा। अभिनेत्री के अनुसार, अलका ने बेहद सहज तरीके से जिंदगी को आगे बढ़ाया, जो उन्हें व्यक्तिगत तौर पर काफी प्रेरणादायक लगा। सीरीज में अलका और स्ववाइन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को केवल पति-पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि दोस्ती और बराबरी पर आधारित संबंध के तौर पर दिखाया गया है। अमृता ने बताया कि इस रिश्ते को पर्दे पर विश्वसनीय बनाने के लिए उन्होंने कई स्तरों पर तैयारी की।

बॉलीवुड की मीस्ट गॉर्जियस एक्ट्रेस वाणी कपूर 23 अगस्त को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। वाणी 38 साल की हो गई हैं। वाणी कपूर ने बर्थडे पर अपनी बोल्ट और ग्लेमरस तस्वीरें शेयर की हैं। ब्लू बिकिनी में एक्ट्रेस किलर अंदाज में नजर आईं।



वाणी बिकिनी पहने पुल में नहाती हुई नजर आईं। रिवीलिंग बिकिनी में उन्होंने अपना टॉड फिगर भी प्लॉन्ट किया। बिकिनी में वाणी ने पुल किनारे बैठकर कई किलर पोज दिए। भीगी जूल्स को झटकाते हुए वो इतराती हुई दिखाई दीं। एक्ट्रेस के दिलकश अंदाज पर फैस दिल हार रहे हैं। वाणी की बिकिनी फोटोज ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। एक्ट्रेस का बोल्ट अंदाज देख फैस की धड़कनें तेज हो गई हैं। ब्लू बिकिनी में वाणी की पूल फोटोज वाकई में इलेक्ट्रिफाइंग हैं, जो किसी को भी तगड़ा झटका दे सकती हैं। वाणी की बिकिनी फोटोज के कमेंट सेक्शन में फैस उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। कोई उन्हें फायर बता रहा है तो कोई डीवा। वैसे वाणी कपूर के बिकिनी लुक ने आपको कहीं बोल्ट किया या नहीं?

एलमडाग मिलेनियर' से जुड़ा चौंकाते वाला किस्सा

ऐश्वर्या राय ने ठुकराई थी अभिषेक बच्चन को ये ब्लॉकबस्टर फिल्म

ऐश्वर्या राय बच्चन न केवल अपनी खूबसूरती, बल्कि अपनी बेहतरीन अदाकारी और फिल्मों के सटीक चयन के लिए भी जानी जाती हैं। चार दशक के लंबे करियर में ऐश्वर्या ने कई ऐसी फिल्मों की हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा के इतिहास में नए रिकॉर्ड कायम किए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐश्वर्या राय फिल्मों के चुनाव में इतनी सिलेक्टिव हैं कि उन्होंने अपने पति अभिषेक बच्चन की एक मेगा-बजट ब्लॉकबस्टर फिल्म में काम करने से साफ इनकार कर दिया था? हम बात कर रहे हैं साल 2014 में आई डायरेक्टर फराह खान की मल्टीस्टार ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हेप्पी न्यू ईयर' की। इस फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, सोनू सूद, बोमन ईरानी और विवान शाह मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि

दीपिका पादुकोण वाला 'मोहिनी' का मशहूर किरदार पहले ऐश्वर्या राय को ऑफर किया गया था। जब ऐश्वर्या राय को 'हेप्पी न्यू ईयर' की स्क्रिप्ट सुनाई गई, तो उन्हें फिल्म का कॉन्सेप्ट और एंटरटेनमेंट वैल्यू बेहद पसंद आई। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मना कर दिया। एक पुराने इंटरव्यू में ऐश्वर्या राय ने इस राज से पर्दा उठाया था। ऐश्वर्या ने बताया था, "हां, मुझे यह फिल्म ऑफर हुई थी। अगर मैं इसमें काम करती तो यह मेरे लिए दोस्तों के साथ एक बहुत ही मजेदार पिकनिक या ट्रिप जैसा होता। लेकिन मेरे और अभिषेक के लिए यह स्थिति थोड़ी अजीब हो जाती।"



मुझे लगगा कि दांव ऊंचे हैं, और तब गांधारी उनके दिमाग में एक कहानी थी, लेकिन यह मेरा आइडिया है तापसी के लिए, गांधारी ने एक्शन को एक गहरे इमोशनल नज़रिए से देखने का मौका दिया। इस बारे में बताते हुए कि किरदार का मोटिवेशन इस फिल्म को उनकी पिछली एक्शन फिल्मों से कैसे अलग बनाता है, उन्होंने कहा, और जब उन्होंने देखा कि मुझे इसमें कदम रखने में दिलचस्पी है, जैसे, क्योंकि यह एक अलग तरह का गुस्सा है, या एक अलग तरह का इमोशन है जिसे आपको तब इस्तेमाल करना होता है जब आप अपनी बेटी के लिए लड़ रहे होते हैं, न कि तब जब आप शायद नौकरी के लिए लड़ रहे होते हैं या, आप जानते हैं, एक मिशन की तरह।

यह फिल्म तापसी की एक्शन जॉनर में वापसी है, जिसकी कहानी एक माँ के अपनी बेटी की रक्षा करने के पक्के इरादे के इर्द-गिर्द घूमती है। गांधारी की तरफ उनका ध्यान कैसे गया और एक्शन में वापस आने के उनके फैसले के बारे में बात करते हुए, तापसी ने कहा, "और मुझे लगता है कि गांधारी खुद, जब मैंने हमेशा उनसे कहा था, नाम शबाना और बेबी के बाद फिर उनसे एक्शन करने का इंतज़ार कर रही हूँ, तो बस मैं चाहती हूँ, दांव ऊंचे होने चाहिए। उन्होंने कहा, यह बेहतर होना चाहिए, इसीलिए मुझे फिर से एक्शन करने की कोशिश करनी चाहिए, सिर्फ इसलिए नहीं कि यह सीज़न का फ्लेवर है। मैंने ऐसा तब किया जब एक्शन, आप जानते हैं, सीज़न का फ्लेवर नहीं बना था। जॉनर, मैंने यह बहुत पहले किया था। मैं इसे तभी कहूँगी जब

मुझे लगगा कि दांव ऊंचे हैं, और तब गांधारी उनके दिमाग में एक कहानी थी, लेकिन यह मेरा आइडिया है तापसी के लिए, गांधारी ने एक्शन को एक गहरे इमोशनल नज़रिए से देखने का मौका दिया। इस बारे में बताते हुए कि किरदार का मोटिवेशन इस फिल्म को उनकी पिछली एक्शन फिल्मों से कैसे अलग बनाता है, उन्होंने कहा, और जब उन्होंने देखा कि मुझे इसमें कदम रखने में दिलचस्पी है, जैसे, क्योंकि यह एक अलग तरह का गुस्सा है, या एक अलग तरह का इमोशन है जिसे आपको तब इस्तेमाल करना होता है जब आप अपनी बेटी के लिए लड़ रहे होते हैं, न कि तब जब आप शायद नौकरी के लिए लड़ रहे होते हैं या, आप जानते हैं, एक मिशन की तरह।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक जावेद सैफी द्वारा शुभम तोमर, 47, बेसमेंट, नवयुग मार्किट, गाजियाबाद उ.प्र. से छपवाकर म.नं. 8 जागृति विहार गुलधर रोड, सेक्टर-23 संजय नगर गाजियाबाद - 201002 से प्रकाशित किया